<u>ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल</u>

सत्र 2025-26

अभ्यास पत्र 1

कक्षा – 12

विषय - हिंदी (002)

निर्देश :-

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं-खण्ड क, ख और ग ।

(ii) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

(iii) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(iv) कुल 13 प्रश्न दिए गए हैं |

खण्ड-'क' (अपठित बोध) 40 अंक

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए**|

10 x 1 = 10

आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं। जिंदगी की दो सूरतें हैं। एक तो यह कि आदमी बड़े-से-बड़े मकसद के लिए कोशिश करे, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए और अगर असफलताएँ कदम-कदम पर जोश की रोशनी के साथ अँधियाली का जाल बुन रही हों तब भी वह पाँव पीछे न हटाए। दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाती हैं और न जिन्हें बहुत अधिक दुःख पाने का ही संयोग है क्योंकि वे आत्माएँ ऐसी गोधूलि में बसती हैं, जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज सुनाई पड़ती है। इस गोधूलि वाली दुनिया के लोग बंधे हुए घाट का पानी पीते हैं, वे जिंदगी के साथ जुआ नहीं खेल सकते।

साहस की जिंदगी सबसे बड़ी जिंदगी होती है। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं। जनमत की उपेक्षा करके

जीने वाला आदमी ही दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिलकुल अकेला होने पर भी मगन रहता है।

(i) 'गोधूलि वाली दुनिया के लोगों से अभिप्राय ऐसे लोगों से है जो' ....|

उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए । 1

(क) विवशता और अभाव में जीते हैं। (ख) जीवन को दाँव पर लगा देते हैं।

(ग) फल की कामना नहीं करते हैं। (घ) जय-पराजय के अनुभव से परे होते हैं।

(ii) निम्लिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए । उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी ही दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है |

कारण (R): साहसी व्यक्ति लीक से हटकर अपनी आवश्यकता एवं लक्ष्य के अनुरूप मार्ग का अनुसरण करता है. इसके माध्यम से लोगों में नई चेतना जगाता है। 1

(क) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(iii) 'साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है।' इस कथन के माध्यम से लेखक......... का संदेश देना चाहते हैं। 1

(क) सदाचार (ग) निलंबन (ख) स्वावलंबन (घ) मिथ्याचार

(iv) कौन-से लोग बंधे हुए घाट का पानी पीते हैं 1

(v) 'आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं।' आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(vi) जिंदगी की दोनों स्थितियों में से कौन-सी उचित है? कारण सहित लिखिए। 2

(vii) लेखक द्वारा अकेले चलने वाले की तुलना सिंह से किए जाने का औचित्य सिद्ध कीजिए। 2

2. **निम्नलिखित कविता के अंश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **8**

बाधाएँ आती हैं आएँ
घिरें प्रलय की घोर घटाएँ,
पाँवों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ,
निज हाथों से हँसते-हँसते,
आग लगाकर जलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।
उजियारे में, अंधकार में,
कल कछार में, बीच धार में
घोर घृणा में, पूत प्यार में,
क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में
जीवन के शत-शत आकर्षक
अरमानों को दलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।
सम्मुख फैला अमर ध्येय पथ
प्रगति चिरंतन केसा इति अथ
सुस्मित हर्षित केसा श्रम श्लथ
असफल, सफल समान मनोरथ,
सब कुछ देकर कुछ न माँगते,
पावस बनकर ढलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।
कुश काँटों से सज्जित जीवन,
प्रखर प्यार से वंचित यौवन,
नीरवता से मुखरित मधुवन,
परहित हर्षित अपना तन-मन,

(i) 'सिर पर ज्वालाएँ बरसने' से क्या आशय है? 1

(क) सिर पर आग बरसाना (ख) सामने कठिनाई होना
(ग) खतरों से खेलना (घ) सामने आग होना

(ii) 'सुस्मित हर्षित कैमा श्रम श्लथ' पंक्ति में 'श्लथ' का क्या अर्थ है? 1

(क) बेहोश (ख) ऊर्जावान (ग) थका हुआ (घ) पसीना

(iii)' कदम मिलाकर चलना होगा' कविता के केंद्रीय भाव को दर्शाने वाले कथन है/हैं- 1

(1) निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा
(II) जीवन के कष्टों से ना घबराना
(III) घृणा को सर्वोपरि समझना

(क) केवल (1) (ख) केवल (II) (ग) (1) और (II) (घ) (II) और (III)

(iv) कवि ने किस प्रकार की विपत्तियों में हँसते-हँसते आगे बढ़ने की बात कही है? 1

(v) कवि ने 'परहित अर्पित अपना तन-मन' क्यों कहा है? अपने विचार प्रकट कीजिए। 2

(vi) कवि ने हमें पावस बनने को क्यों कहा है? 2

खण्ड 'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम प्रस्तक के आधार पर) 22 अंक

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1+2+2=5

(क) संपादकीय लेखन से क्या तात्पर्य है? (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) 1

(ख) रेडियो के लिए समाचार कॉपी तैयार करते हुए किन बुनियादी बातें का ध्यान रखना चाहिए? किन्हीं दो का वर्णन कीजिए। (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) 2

(ग) मीडिया जगत में फीलांसर की भूमिका का उल्लेख कीजिए। (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) 2

4. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए -** 3x2=6

(क) समाचार लेखन की शैली का विस्तृत परिचय दीजिए। 3

(ख) अच्छे फीचर लेखन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 3

(ग) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में अंतर स्पष्ट कीजिए। 3

5. **निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -** **5x1=5**

(क) जैसे ही मैंने नदी के शीतल जल को छुआ

(ख) मेरी जीप के सामने अचानक शेर आ गया

(ग) देश के प्रति मेरा कर्तव्य यह है..

6. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए -** **2x3=6**

(क) 'वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान।' काव्य पंक्ति के माध्यम से कविता लेखन के संदर्भ में उजागर होने वाले बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। 3

(ख) रंगमंच प्रतिरोध का सशक्त माध्यम है। सिद्ध कीजिए। 3

(ग) कहानी के संदर्भ में लिखिए कि द्वंद्व से क्या अभिप्राय है? वह कहानी का महत्त्वपूर्ण तत्व क्यों है? 3

खण्ड 'ग' (पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर) 40 अंक

7. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए-** 1×5=5

सुनते हैं मिट्टी में रस है जिससे उगती दूब है
अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है
आधे आधे गाने
तोड़ो तोड़ो तोड़ो

ये ऊसर बंजर तोड़ो
ये चरती परती तोड़ो
सब खेत बनाकर छोड़ो
मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को
हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज को ?
गोड़ो गोड़ो गोड़ो

(i) तोड़ो कविता का कवि में व्याप्त ऊब और बीज को तोड़ने की बात करता है क्योंकि वह .... का समर्थक है |

(क) ऊसर (ख) विध्वंस (ग) सृजन (घ) कुंजन

(ii) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

कथन - सुनते हैं मिट्टी में रस है, जिसमें उगती दूब है।

कारण- मिट्टी में उर्वरा शक्ति है इसलिए उसमें से दूब उगती है।

(क) कचन गलत है किंतु कारण सही है।
(ख) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(ग) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।

(iii) 'आधे-आधे गाने' से कवि का तात्पर्य है-

(क) आधे गीत का गायन (ख) मैदान का अधूरापन
(ग) कवि का व्यथित हृदय (घ) मधूरी क्रियात्मक शक्ति

(iv) मन की खीज से आशय है मन की..............।

(क) ईर्ष्या (ख) कड़वाहट (ग) झुंझलाहट (घ) व्यथा

(v) कवि ने मानव मन की दशा बताई है/हैं-

कथन 1- धरती और मानव मन की दशा में समानता है।
कथन 2- मानव मन सदैव बुराई से आकर्षित होता है।
कथन 3- धरती के उपजाऊ तत्व पत्थर कंकड़ एवं मन के खीज, अनचाहे विचार है।

(क) केवल कथन 1 (ख) कथन 1 और 2
(ग) केवल कथन 3 (घ) कथन 2 और 3

8. **काव्य खंड पर आधरित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए-** 2x2=4

(क) 'मैंने देखा एक बूँद' कविता के संदर्भ में क्षण के महत्त्व को उजागर करते हुए कविता का मूल भाव लिखिए।

(ख) 'कॉर्नेलिया का गीत' के आधार पर भारत की सांस्कृतिक विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) कवि घनानंद ने किस प्रकार की पुकार से 'कान खोलि है' की बात कही है ?

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6×1=6

(क) आदमी दशाश्वमेध पर जाता है
और पाता है घाट का आखिरी पत्थर कुछ और मुलायम हो गया है
सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में
एक अजीब-सी नमी है
और एक अजीब भी चमक से भर उठा है भिखारियों के कटोरों का निचाट खालीपन
तुमने कभी देखा है
खाली कटोरी में वसंत का उतरना !
यह शहर इसी तरह खुलता है
इसी तरह भरता
और खाली होता है यह शहर

(ख) सखि है, कि पुछसि अनुभव मोए
सेह पिरिति अनुराग बखानि तिल तिल नूतन होए ||
जनम अबधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल
सेहो मधुर बोल स्रवनहि सूनल सुति पथ परस न गेल
कत मधुर जामिनि रभस गमाओलि न बूझल कइसन केलि |
लाख लाख जुग हिअ हिअ राखल तइओ हिअ जरनि न गेल |
कत बिदगध जन रस अनुमोदए अनुभव काहु न पेख |
विद्यापति कह प्रान जुड़ाइते लाखे न मीलल एक |

10. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-** **1×5=5**

यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है इसीलिए यह इतना आकर्षक है। नाम है कि हजारों वर्ष से

जीता चला आ रहा है। कितने नाम आए और गए। दुनिया उनको भूल गई, वे दुनिया को भूल गए। मगर कुटज है कि संस्कृति की निरंतर स्पफीयमान शब्दराशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है। और रूप की तो बात ही क्या है। बलिहारी है इस मादक शोभा की। चारों ओर कुपित यमराज के दारुण निःवास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है। कितनी कठिन जीवनी शक्ति है। प्राण ही प्राण को पुलकित करता है, जीवनी शक्ति ही जीवनी शक्ति को प्रेरणा देती है।

(i) कुटज द्वारा की गई घोषणा उसकी.. ..दर्शाती है।

(क) जिज्ञासा (ख) जिजीविषा (ग) मुमूर्षा (घ) शुश्रुषा

(ii) निम्नलिखित में से लेखक के अनुसार सबसे सही वाक्य चुनिए-

(क) कठिन परिस्थितियों में भी जीना सीखें।

(ख) रेगिस्तान में कुटज बहुतायत में पाया जाता है।

(ग) केवल नाम के कारण ही जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त होती है।

(घ) निर्झर का बहता जल कुटज को भलीभांति सींचता है।

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार कीजिए और सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए -

कथन - कुपित यमराज के दारुण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है|

कारण - यमराज के क्रोध के कारण कुटज की जीवनीशक्ति कम हो जाती है जिसके कारण वह सूख जाता है।

(क) कथन गलत है किंतु कारण सही है।

(ख) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ग) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है |

(iv) गद्यांश में लेखक ने कुंटज का दर्शाया है।

(क) स्वार्थ (ख) स्वाभिमान (ग) लालच (घ) कर्तव्य

(v) 'मगर कुटज है कि संस्कृति की निरंतर स्पफीयमान शब्दाशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है।' पंक्ति के माध्यम से लेखक संस्कृति के किस महत्त्व को उजागर करता है कि संस्कृति है-

(क) अनवरत (ख) असहमत (ग) अप्राप्य (घ) अबोधा

11.गद्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- 2×2-4

(क) अपने ही गाँव में पहुँचकर हरगोबिन के दिशा भ्रमित होने का कारण बताइए।

(ख) गंगा तट पर उपस्थित स्वयंसेवकों का कार्य व्यवहार आज के युवा वर्ग को किस प्रकार प्रेरित करता है?

(ग) कभी-कभी किसी इलाके की संपदा ही उसका अभिशाप बन जाती है। स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6×1=6

(क) यह पूछा गया कि तू क्या करेगा। बालक ने सीखा सिखाया उत्तर दिया कि मैं यावज्जन्म लोकसेवा करूँगा। सभा वाह-वाह करती सुन रही थी, पिता का हृदय उल्लास से भर रहा था। एक वृद्ध महाशय ने उसके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद दिया और कहा कि जो तू इनाम माँग वही दें। बालक कुछ सोचने लगा। पिता और अध्यापक इस चिंता में लगे कि देखें यह पढ़ाई का पुतला कौन-सी पुस्तक माँगता है। बालक के मुख पर विलक्षण रंगों का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आँखों में दिख रही थी। कुछ खाँसकर, गला साफ कर नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, 'लड्डू'। पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैंने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था।

अथवा

(ख) कुछ दिनों के बाद मैंने सुना कि शेर अहिंसा और सह-अस्तित्ववाद का बड़ा जबरदस्त समर्थक है इसलिए जंगली जानवरों का शिकार नहीं करता। मैं सोचने लगा, शायद शेर के पेट में वे सारी चीजें हैं जिनके लिए लोग वहाँ जाते हैं और मैं भी एक दिन शेर के पास गया। शेर आँखें बंद किए पड़ा था और उसका स्टाफ आफिस का काम निपटा रहा था। मैंने वहाँ पूछा, "क्या यह सच है कि शेर साहब के पेट के अंदर, रोजगार का दफ़्तर है?' मैंने पूछा, "कैसे"?

बताया गया, "सब ऐसा ही मानते हैं।"

मैंने पूछा, "क्यों? क्या प्रमाण है?"

बताया गया, "प्रमाण से अधिक महत्त्वपूर्ण है विश्वास ?"

मैंने कहा, "और यह बाहर जो रोजगार का दफ़्तर है?"

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए। 5×2=10

(क) 'तकनीकी और प्रौद्योगिकी विकास से ग्रामीण जीवन की संस्कृति कैसे नष्ट हो सकती है? 'अपना

मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'सूरदास की झोपड़ी' के नायक की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि उसके व्यक्तित्व से आपको क्या प्रेरणा मिलती है।

(ग) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ का मूल कथ्य स्पष्ट कीजिए।

<u>ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल</u>

सत्र 2025-26

अभ्यास पत्र 2

कक्षा – 12

विषय - हिंदी (002)

निर्देश :-

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं-खण्ड क, ख और ग ।

(ii) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

(iii) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(iv) कुल 13 प्रश्न दिए गए हैं |

खण्ड-'क' (अपठित बोध) 40 अंक

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए|** 10 x 1 = 10

आज हम इस असमंजस में पड़े हैं और यह निश्चय नहीं कर पाए हैं कि हम किस ओर चलेंगे और हमारा ध्येय क्या है ? संभवत: ऐसी अवस्था में हमारे पैर लड़खड़ाते हैं। हमारे विचार में भारत के लिए और सारे संसार के लिए सुख और शांति का एक ही रास्ता है और वह है - अहिंसा और आत्मवाद का। अपनी दुर्बलता के कारण हम उसे ग्रहण न कर सके पर उसके सिद्धांतों को तो हमें स्वीकार कर ही लेना चाहिए और उसके प्रवर्तन का इंतजार करना चाहिए। यदि हम सिद्धांत ही न मानेंगे तो उसके प्रवर्तन की आशा कैसे की जा सकती है? जहाँ तक मैंने महात्मा गांधी जी के सिद्धांत को समझा है, वह इसी आत्मवाद और अहिंसा के, जिसे वे सत्य भी कहा करते थे, मानने वाले और प्रवर्तक थे। उसे ही कुछ लोग आज गांधीवाद का नाम भी दे रहे हैं। यद्यपि महात्मा गांधी ने बार-बार यह कहा था-"वे किसी नए सिद्धांत या वाद के प्रवर्तक नहीं हैं और उन्होंने अपने जीवन में प्राचीन सिद्धांतों को अमल कर दिखाने का यत्न किया।" इस पर विचार कर देखा जाए तो जितने सिद्धांत अन्य देशों, अन्य-अन्य कालों और स्थितियों में भिन्न-भिन्न नामों और धर्मों से प्रचलित हुए हैं, सभी अंतिम और मार्मिक अन्वेषण के बाद इसी तत्व अथवा सिद्धांत में समाविष्ट पाए जाते

हैं। केवल भौतिकवाद इनसे अलग है। हमें असमंजस की स्थिति से बाहर निकलकर निश्चय कर लेना है कि हम अहिंसावाद, आत्मवाद और गांधीवाद के अनुयायी और समर्थक हैं, न कि भौतिकवाद के। प्रेय और श्रेय में से हमें श्रेय को चुनना है। श्रेय ही हितकर है, भले ही वह कठिन और श्रमसाध्य हो। इसके विपरीत प्रेय आरंभ में भले ही आकर्षक दिखाई दे, उसका अंतिम परिणाम अहितकर होता है।

(1) गद्यांश के अनुसार पैर लड़खड़ाने का क्या कारण है ? (1)

क) असमंजस की स्थिति में होना ख) ध्येय अनिश्चित होना

ग) पथ की अनिश्चितता घ) उपरोक्त सभी

(2) हमारे द्वारा अहिंसा और आत्मवाद ग्रहण न कर पाने का क्या कारण है ? (1)

क) हमारी पूर्वाग्रह ख) हमारा हठ

ग) हमारी अपनी दुर्बलता घ) हमारी अनिश्चितता की स्थिति

(3) सांसारिक सुख-साधनों को पाना और उनका प्रयोग करना क्या कहलाता है ? (1)

क) अहिंसावाद ख) आत्मवाद

ग) उपभोक्तावाद घ) भौतिकवाद

(4) संयुक्त वाक्य का एक उदाहरण गद्यांश से लिखिए | (1)

(5) निम्न शब्दों में मूल शब्द व प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए |
दुर्बलता , अहितकर (2)

(6) लेखक के अनुसार भौतिकवाद हमारे लिए उचित क्यों नहीं है ? (2)

(7) लेखक किस वाद का समर्थन करता है और क्यों ? (2)

प्रश्न 2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

तू हिमालय नहीं, तू न गंगा-यमुना
तू त्रिवेणी नहीं, तू न रामेश्वरम्
तू महाशील की है अमर कल्पना
देश! मेरे लिए तू परम वंदना !
मेघ करते नमन, सिंधु धोता चरण,
लहलहाते सहस्रों यहाँ खेत-वन।
नर्मदा-ताप्ती, सिंधु गोदावरी,

हैं करवाती युगों से तुझे आचमन।
तू पुरातन बहुत, तू नए से नया
तू महाशील की है अमर कल्पना |
देश! मेरे लिए तू महा अर्चना !
शक्ति-बल का समर्थक रहा सर्वदा,
तू परम तत्व का नित विचारक रहा।
शांति-संदेश देता रहा विश्व को।
प्रेम-सद्भाव का नित प्रचारक रहा।
सत्य और प्रेम की है परम प्रेरणा
देश! मेरे लिए तू महा अर्चना !

1) कवि अपने देश को किस रूप में मानता है ? (1)
   क) गिरिराज हिमालय के रूप में
   ख) गंगा-यमुना और सरस्वती के संगम के रूप में
   ग) तीर्थराज रामेश्वरम् के रूप में
   घ) महाशील की अमर कल्पना के रूप में

2) काव्यांश का उचित शीर्षक होगा - (1)
   क) प्रेम-सद्भाव का प्रचार ख) सागर धोता चरण
   ग) अमरकल्पना घ) देश तू मेरी महा अर्चना

3) 'सिंधु धोता चरण'में कौन-सा अलंकार है ? (1)
   क) उपमा अलंकार ख) मानवीकरण अलंकार
   ग) रूपक अलंकार घ) अनुप्रास अलंकार
   घ) 'क' व 'ग' दोनों

4) देश का सत्कार प्रकृति कैसे करती है ? (1)

5) कवि का देश को 'महाशील की अमर कल्पना' कहने से क्या तात्पर्य है ? (2)

6) भारत देश किस तरह नया से नया है तथा इसने विश्व के लिए क्या किया है ? (2)

खंड : ख (अभिव्यक्ति और माध्यम)

प्रश्न 3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

क) पत्रकारिता में 'बीट' से क्या तात्पर्य है ? (शब्द सीमा-लगभग 20 शब्द) (1)

ख) एक अच्छी कविता की पहचान क्या है? (शब्द सीमा-लगभग 40 शब्द) (2)

ग) नाटक में प्रस्तुत किए जाने वाले चरित्रों की क्या विशेषता होनी चाहिए ? (शब्द सीमा-लगभग 40 शब्द) (2)

प्रश्न 4 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए | **(6)**

क) विशेष लेखन के क्षेत्र में निपुण होने के लिए क्या आवश्यक है ?

ख) एक अच्छा पत्रकारीय लेखन करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

ग) रेडियो पर प्रसारण के लिए तैयार समाचार कॉपी की विशेषताएँ लिखिए |

प्रश्न 5 दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक रचनात्मक लेख लिखिए | **(5)**

मेरी कार के सामने एक बच्चा आ गया

अथवा

जैसे ही मुझे हिंदी का **प्रश्न**पत्र मिला

प्रश्न 6 **निम्नलिखित** प्रश्नों **में से किन्ही दो** प्रश्नों **के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए |** **(6)**

क) कहानी के तत्त्व के रूप में 'द्वंद्व' पर प्रकाश डालिए |

ख) कहानी का नाट्य रूपांतरण कैसे किया जाता है ?

ग) रेडियो नाटक की अवधि का 15 से 30 मिनट होने का क्या कारण है ?

खंड : ग (पाठ्यपुस्तक - अंतरा व अंतराल)

प्रश्न 7 निम्न काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों **के उत्तर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर दीजिए |** **(5)**

राघौ! एक बार फिरि आवौ।
ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ॥
जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज वार वार चुचुकारे।
क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले! ते अब निपट बिसारे॥
भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे॥
सुनहू पथिक! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो।
तुलसी मोहिं और सबहिन तें इन्हको बड़ो अंवेसो॥

(1) ये पद किससे लिए गए हैं?

(क) रामलला नहछू से (ख) पदावली से

(ग) गीतावली से (घ) विनयपत्रिका से

(2) अयोध्या में दुर्बल हो रहे घोड़ों के लिए राम को वापस आने के लिए कौन कह रहा है ?

(क) रानी कैकेयी (ख) सुमंत

(ग) रानी कौशल्या (घ) निषादराज

(3) पाले के कारण जो दशा कमल पुष्पों की हो गई है, वही दशा -

(क) राम के विरह में घोड़ों की हो गई है।

(ख) भरत के विरह में राम की हो गई है।

(ग) महाराज के विरह में रानियों की हो गई है।

(घ) श्रीराम के विरह में वृक्षों की हो गई है।

(4) कौन किसके लिए 'राघव' का संबोधन कर रहा है?

(क) कैकेयी भरत के लिए (ख) कौशल्या राम के लिए

(ग) दशरथ भरत के लिए (घ) सुमंत लक्ष्मण के लिए

(5) 'तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिम मारे।' पद में कौन-सा अलंकार है?

(क) उपमा अलंकार (ख) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ग) रूपक अलंकार (घ) यमक अलंकार

प्रश्न 8 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए | (4)

क) कवि घनानंद ने 'चाहत चलन ये संदेसो ले सुजान को' क्यों कहा है ?

ख) 'मैंने देखा एक बूँद' कविता के संदर्भ में क्षण के महत्त्व को उजागर करते हुए कविता का मूल भाव लिखिए |

ग) माघ मास नायिका को कैसे व्यथित करता है?

प्रश्न 9 निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए | (6)

आह ! वेदना मिली विदाई !
मैंने भ्रम-वश जीवन संचित, मधुकरियों की भीख लुटाई ।
छलछल थे संध्या के श्रमकण, आँसू-से गिरते थे प्रतिक्षण ।

मेरी यात्रा पर लेती थी- नीरवता अनंत अंगड़ाई ।

अथवा

मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुःख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही!
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल!
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण!

प्रश्न 10 निम्न गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर दीजिए | (5)

दुःख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुःखी वह है जिसका मन परवश है। परवश होने का अर्थ है – खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ हजूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है | अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह बैरागी है। राजा जनक की तरह संसार में रहकर, संपूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है।

1) प्रस्तुत अवतरण किस पाठ से लिया गया है ?
(क) दूसरा देवदास (ख) कुटज
(ग) संवदिया (घ) जहाँ कोई वापसी नहीं

2) मन के विकल्प किन्हें कहा गया है ?
(क) सुख-दुःख को (ख) आमोद-प्रमोद को
(ग) जन्म-मृत्यु को (घ) जय-पराजय को

3) लेखक ने कुटज के जीवन की तुलना किससे की है ?

(क) राजा पृथु से (ख) राजा जनक से

(ग) राजा दशरथ से (घ) राजा हरिश्चंद्र से

4) 'दाँत निपोरना' का क्या अर्थ है?

(क) गिड़गिड़ाना (ख) ठहाका लगाना

(ग) विलाप करना (घ) काँपना

5) किस शैली का भावपूर्ण प्रयोग किया गया है?

(क) नाटकीय शैली (ख) प्रतीकात्मक शैली

(ग) मनोविश्लेषणात्मक शैली (घ) उपदेशात्मक शैली

प्रश्न 11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए | (4)

क) 'प्रेमघन की छाया-स्मृति' पाठ के आधार पर रामचंद्र शुक्ल की भाषा-शैली की विशेषताएँ लिखिए।

ख) धर्म अगर कुछ विशेष लोगों, धर्माचार्यों, मठाधीशों, पंडे-पुजारियों की मुट्ठी में है तो आम आदमी और समाज का उससे क्या संबंध होगा ? अपने विचार प्रकट कीजिए |

ग) हरगोबिन जलालगढ़ पैदल क्यों गया ?

प्रश्न 12 निम्नलिखित गद्यांशो में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए | (6)

ये लोग आधुनिक भारत के नए 'शरणार्थी' हैं जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात ने अपनी घर-जमीन से उखाड़कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है। प्रकृति और इतिहास के बीच यह गहरा अंतर है। बाढ़ या भूकंप के कारण लोग अपना घर-बार छोड़कर कुछ अरसे के लिए जरूर बाहर चले जाते हैं किंतु आफत टलते ही वे दोबारा अपने जाने-पहचाने परिवेश में लौट भी आते हैं किंतु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है तो वे फिर कभी अपने घर वापस नहीं लौट सकते। आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ मनुष्य ही नहीं उखड़ता बल्कि उसका परिवेश और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं।

अथवा

लड़की अब बिलकुल बराबर में खड़ी आँख मूँदकर अर्चन कर रही थी। संभव ने यकायक मुड़कर उसकी और गौर किया। उसके कपड़े एकदम भीगे हुए थे यहाँ तक कि उसके गुलाबी आँचल से

संभव के कुरते का एक कोना भी गीला हो रहा था। लड़की के लंबे गीले बाल पीठ पर काले चमकीले शॉल की तरह लग रहे थे। दीपकों के नीम उजाले में आकाश और जल की साँवली संधि-बेला में लड़की बेहद सौम्य लगभग काँस्य प्रतिमा लग रही थी।

प्रश्न 13 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए | **(10)**

क) सूरदास अपनी आर्थिक हानि को क्यों गुप्त रखना चाहता था ? आपकी दृष्टि में क्या उसका ऐसा सोचना सही था ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

ख) आज की नदियाँ पहले की नदियों से किस प्रकार भिन्न हैं ? अपने विचार प्रकट कीजिए |

ग) बिसनाथ ने दिलशाद गार्डन के डियर पार्क में क्या दृश्य देखा ?